अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

छठा वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

पच्चीस बोल, तत्त्वचर्चा, पच्चीस बोल की चरचा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी – 20

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में लिखें – 5

(क) 'समस्त पदार्थों को अवकाश देना' यह कौन से द्रव्य का गुण है?

(ख) उदधि कुमार का दण्डक कौन सा है? (ग) नौवां गुणस्थान कौन सा है?

(घ) अंक 13 के कितने भांगे बन सकते हैं?

(ङ) श्रावक के व्रतों में यातायात को नियंत्रित करने वाला कौन सा व्रत है? नाम लिखें।

(च) अप्रशस्त लेश्याओं के नाम लिखें। (छ) संवर का ग्यारवाँ भेद कौन सा है?

प्र.2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) निर्जरा किस कर्म का उदय?

(ख) किस योग के जीव कम, किस योग के जीव अधिक?

(ग) आत्मा किस कर्म का उदय? (घ) लेश्या जीव या अजीव?

(ङ) किस ध्यान के जीव कम, किस ध्यान के जीव अधिक?

(च) तुम्हारे में गुणस्थान कौन सा?

(छ) किस उपयोग के जीव कम, किस उपयोग के जीव अधिक?

प्र.3 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) सात गुणस्थान किसमें व कौन से? (ख) आठ उपयोग किसमें व कौन से?

(ग) जीव तत्त्व के बारह भेद किसमें व कौन से? (घ) चार लेश्या किसमें व कौन से?

(ड) अठारह दण्डक किसमें व कौन से? (च) चार पर्याप्ति किसमें व कौनसी?

(छ) तीन चारित्र किसमें व कौनसे?

प्र.4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 5

(क) अजीव तत्त्व छः में कौन? नौ में कौन? (ख) तीन गुप्ति छः में कौन? नौ में कौन?

(ग) कर्म को रोकने वाला छः में कौन? नौ में कौन?

(घ) धर्मास्तिकाय आदि पाँच द्रव्य चोर या साहूकार?

(ड.) छः द्रव्य में एक कितने? अनेक कितने? (च) धर्म और अधर्मास्ति एक या दो?

(छ) आश्रव आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?

प्रतिक्रमण, जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड), कर्म प्रकृति – 20

प्र.5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) विशेष गुणों के नाम लिखें। (ख)औदयिक भाव होने वाली आत्मा की अवस्थाएँ लिखें।

(ग) रूपी–अरूपी द्वार लिखें। (घ) लोकालोक द्वार लिखें।

(ड.) वेदनीय कर्म को उदाहरण द्वारा समझाएँ।

(च) संवर निर्जरा और मोक्ष को परिभाषित करें।

(छ) धर्म, अधर्म, आकाश और काल को परिभाषित करें।

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 4

(क) अभ्युत्थान सूत्र 'अथवा' आलोचना सूत्र लिखें।

(ख) आठवें 'अथवा' दसवें व्रत के अतिचार लिखें।

प्र.7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 6

(क) स्थिति बंध 'अथवा' अनुभाग बंध किसे कहते हैं? वर्णन करें।

(ख) दर्शनावरणीय 'अथवा' नाम कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ग) दर्शनावरणीय कर्म बंध के कोई तीन हेतु लिखें 'अथवा' असात वेदनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड) – 20

प्र.8 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) सम्यक्त्व मिथ्यात्व कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) शुभयोग–अशुभयोग कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) पहले से दसवाँ गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) पाँच महाव्रत, पाँच समिति, तीन गुप्ति कितने भाव? कितनी आत्मा? छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ड.) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र.9 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) आनाहारक में जीव के भेद, गुणस्थान, योग, उपयोग लिखें।

(ख) अभाषक में जीव का भेद, गुणस्थान, योग और दृष्टि लिखें।

(ग) अवधि दर्शनी में गुणस्थान, दण्डक, उपयोग व जीव का भेद लिखें।

(घ) चक्षुदर्शनी में जीव का भेद, योग, उपयोग व दण्डक लिखें।

प्र.10 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) निश्चय नय 'अथवा' व्यवहार नय किसे कहते हैं?

(ख) अंग 'अथवा' उपांग के नाम लिखें।

(ग) अरहंतो मह देवो.....मए गहिअं।। दोहे को पूरा करें।

(घ) छः काय मारण.....मिलियो आय ए।। दोहे को पूरा करें।

लघु दण्डक व पांच ज्ञान – 20

प्र.11 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) छब्बीसवाँ द्वार लिखें। (ख) तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्थिति लिखें।

(ग) वेद द्वार लिखें। (घ) दृष्टि द्वार लिखें।

प्र.12 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) मनःपर्यवज्ञान का स्वामी को समझाएँ।

(ख) अवधि ज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति का यंत्र बनाएँ।

(ग) अवग्रह के प्रतिबोधक दृष्टांत को समझाएँ। (घ) हेतु उपदेश को समझाएँ।

संजया–नियंठा – 20

प्र.13 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) सामायिक चारित्र किसे कहते हैं? उसके प्रकार व्याख्या सहित लिखें?

(ख) परिहार विशुद्धि चारित्र का अन्तर द्वार लिखें।

(ग) यथाख्यात चारित्र का परिणाम द्वार लिखें।

(घ) छेदोपस्थापनीय चारित्र का स्थिति द्वार लिखें।

(ड) सूक्ष्म संपराय चारित्र का प्रव्रज्या द्वार लिखें।

प्र.14 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) स्नातक अथवा बकुश के प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) पुलाक का काल द्वार लिखें।

(ग) प्रतिसेवना एवं निर्ग्रन्थ का प्रव्रज्या द्वार लिखें।

(घ) प्रतिसेवना का सन्निकर्ष द्वार एवं चारित्र द्वार लिखें।